आदर्श प्रश्नपत्र
हिंदी (301) नवीन पाठ्यक्रम

समय : 3 घंटे | कुल अंक : 100

टिप्पणी :

(i) इस प्रश्नपत्र में कुल 34 प्रश्न हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।

(iv) प्रश्न संख्या 1 से 20 बहुविकल्पी प्रश्न हैं और प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। आप सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। कुछ प्रश्नों में विकल्प भी दिए गए हैं। आपको केवल एक प्रश्न का उत्तर देना है।

(v) प्रश्न संख्या 21 से 25 तक वस्तुनिश्ठ प्रश्न हैं जिनमें 3 अंक के दो प्रश्न, 7 अंक के दो प्रश्न तथा 10 अंक का एक प्रश्न है तथा विकल्प भी दिए गए है। निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(vi) प्रश्न संख्या 26 से 34 तक वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। लघुत्तरीय प्रश्न–1 के अंतर्गत 4 अंक के दो तथा लघुत्तरीय प्रश्न–2 के अंर्तगत 5 अंक के दो प्रश्न है। दीर्घउत्तरीय प्रश्न–1 के अंतर्गत 6 अंक के चार तथा दीर्घउत्तरीय प्रश्न–2 के अंर्तगत 8 अंक एक का प्रश्न है। जिनमें से कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।

सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1x20=20

1. 'भरत का भ्रातृप्रेम' में भरत सबसे अधिक दोषी मानते हैं–

(क) स्वयं को (ख) कैकेयी को

(ग) स्वयं के भाग्य को (घ) दशरथ को

अथवा

'परशुराम के उपदेश' पाठ में जाति की लगन और व्यक्ति की धुन है–

(क) वीरता (ख) स्वतंत्रता

(ग) भीतरी गुण (घ) अशनि-घात

2. 'भरत का भ्रातृप्रेम' में भरत के नेत्रों का सौंदर्य बताने के लिए किसका उपमान प्रयुक्त किया गया है–

(क) कमल (ख) जल

(ग) नेह (घ) मुक्ता

अथवा

'भरत का भ्रातृप्रेम' पाठ में आए उदाहरण 'फरइ कि कोदव बालि सुसाली' की जगह कौन-से विकल्प का प्रयोग किया जा सकता है–

(क) आक के फूल में खुशबू कैसे आएगी।

(ख) दूसरों के लिए गड्ढ़ा खोदने वाला खुद उसमें गिरता है।

(ग) आसमान पर थूकने से अपना ही नुकसान होता है।

(घ) बहुत बढ़-चढ़कर बोलने से अपमानजनक स्थिति होती है।

3.(i)'भरत का भ्रातृप्रेम' में किसके वचन-चातुर्य का परिचय मिलता है–

(क) भरत (ख) राम

(ग) वशिष्ठ (घ) कैकेयी

अथवा

(ii) सूरदास के 'पद' की विशेषता नहीं है–

(क) स्वाभाविकता (ख) ऊहात्मकता

(ग) मनोरमता (घ) बिंबात्मकता

4. किस विकल्प में रूपक अलंकार है–

(क) खेलत खुनिस न कबहूँ देखी। (ख) सुनि मुनिवचन राम रूख पाई।

(ग) पुलक सरीर सभाँ भए ठाढ़े। (घ) मोर अभाग उदधि अवगाहू।

5. सूरदास के 'पद' की किस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है–

(क) लत लटकनि मनु मत्त मधुप गन (ख) घुटरुनि चलत रेनु तन मंडित

(ग) चारु कपोल लोल लोचन (घ) कठुला कंठ वज्र केहरि नख

6. मीराँ के पद की विशेषता नहीं है–

(क) मुहावरों का प्रयोग (ख) प्रेम को छिपाना

(ग) दृढ़ता एवं साहस (घ) माधुर्य-भाव

7.(i)'परशुराम के उपदेश' पाठ की किस पंक्ति में लाक्षणिकता है–

(क) चट्टानों की छाती से दूध निकालो। (ख) वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है।

(ग) स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है। (घ) बाहरी वस्तु नहीं, भीतरी गुण है।

अथवा

(ii) 'ग़ज़ल' पाठ का उद्देश्य है–

(क) हंगामा खड़ा करना (ख) स्थितियों को बदलना

(ग) पर्वतों को पिघलाना (घ) आग जला देना

8. 'भेड़िए' कविता की भाषागत विशेषता नहीं है–

(क) प्रतीकात्मकता (ख) तत्समबहुलता

(ग) स्वाभाविकता (घ) सरलता

अथवा

'ग़ज़ल' पाठ में 'आग' प्रतीक है–

(क) भूख का (ख) शोषक व्यवस्था का

(ग) यातना का (घ) परिवर्तन की चेतना का

9. 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ है–

(क) संस्मरण (ख) शब्दचित्र

(ग) रेखाचित्र (घ) संस्मरणात्मक रेखाचित्र

10. 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ के आरंभ में बात की गई है–

(क) स्मृति की विशेषता की (ख) सुभद्राकुमारी चौहान की

(ग) स्वाधीनता-आंदोलन की (घ) स्कूल के दिनों की

11. सुभद्रा कुमारी चौहान की हँसी की विशेषता नहीं बताई गई–

(क) साधारण (ख) सरल विश्वासयुक्त

(ग) संक्रामक (घ) निश्चिंत तृप्तियुक्त

12.(i) सुभद्रा कुमारी चौहान के व्यक्तित्व की विशेषता है–

(क) हरिजनों के पक्ष में संघर्ष करना (ख) गृहस्थ-धर्म को पूरी तरह त्याग देना

(ग) परंपरा का पूरी तरह पालन करना (घ) मृत्यु की चर्चा का विरोध करना

अथवा

(ii) 'डायरी' में सबसे पहले लिखा जाता है–

(क) केवल दिन, दिनाँक नही (ख) लेखक का नाम

(ग) दिन, दिनाँक और स्थान (घ) लेखक का नाम और दिनाँक

13. डायरी लिखते समय आप इसकी विशेषता नहीं मानेंगे–

(क) भावाभिव्यक्ति (ख) औपचारिकता

(ग) वैयक्तिकता (घ) तात्कालिक प्रतिक्रिया

14. (i) 'अंडमान डायरी' पाठ में लेखक जब सेल्यूलर जेल गया, तो उसके सामने किसकी वास्तविकता सामने आ गई–

(क) अंग्रेज़ों के सभ्य होने की (ख) देशप्रेमी होने की

(ग) आज़ादी के सपनों की (घ) भूख और बीमारी की

अथवा

(ii) 'अंडमान डायरी' में लेखक ने क्रांति के नारे लगानेवालों को 'पागल' कहकर किस पर व्यंग्य किया है–

(क) देशभक्तों को फ़ाँसी देनेवाले अंग्रेज़ों पर।

(ख) उन समझदार लोगों पर जो कोई जोखिम नहीं उठाते।

(ग) सावरकर के बारे में ग़लत धारणा रखनेवालों पर।

(घ) सावरकर पर, क्योंकि वे दूसरे कैदियों की ख़बर नहीं रखते थे।

15. (i) 'अंडमान डायरी' में 'काला पानी' का अर्थ है–

(क) वह स्थान जहाँ से लौटने की उम्मीद नहीं (ख) पोर्ट ब्लेयर में बहाए गए आँसू

(ग) मूँगिया पहाड़ी द्वीप (घ) हरा-नीला समुद्री पानी

अथवा

(ii) 'रीढ़ की हड्डी' पाठ में यथास्थिति का सर्वाधिक विरोध कौन-सा पात्र करता है–

(क) प्रेमा (ख) शंकर

(ग) उमा (घ) रामस्वरूप

16. 'अंडमान डायरी' में लेखक ने 'समझदार' लोगों के लिए कहा है कि ''वे चाय भी फूँक-फूँककर पीते हैं'' आप इसकी जगह किस प्रचलित वाक्य का प्रयोग करेंगे–

(क) दूध भी फूँक-फूँककर पीते हैं। (ख) पानी भी फूँक-फूँककर पीते हैं।

(ग) छाछ भी फूँक-फूँककर पीते हैं। (घ) हवा भी फूँक-फूँककर पीते हैं।

17. 'अच्छा तो साहब, फिर बिजनेस की बात हो जाए।' इस कथन से पता चलता है कि–

(क) रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद व्यापार करना चाहते थे।

(ख) गोपाल प्रसाद की नजर में विवाह भी बिजनेस है।

(ग) शंकर और उमा व्यापारी हैं।

(घ) उमा बिजनेस करना चाहती थी।

18. 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ के अनुसार बंधन से मुक्ति से स्वरूप कैसा होना चाहिए–

(क) सामाजिक व पारिवारिक मान्यताओं और रूढ़ियों से मुक्ति

(ख) अंग्रेजी शासन से मुक्ति

(ग) तार्किक और मानवीय

(घ) उपर्युक्त सभी

19. (i) औपचारिक पत्र का अंग नहीं है–

(क) प्रारंभ (ख) 'प्रियवर' संबोधन

(ग) मुख्य विषय (घ) समापन

अथवा

(ii) कार्यालयी पत्राचार का प्रकार नहीं है–

(क) शासनादेश (ख) परिपत्र

(ग) ज्ञापन (घ) टिप्पण

20. (i) क्लाउड कंप्यूटिंग के अंतर्गत शामिल नहीं है–

(क) यू-ट्यूब (ख) फेस बुक

(ग) टाइप सेटिंग (घ) ई-मेल

अथवा

(ii) किस प्रौद्योगिकी में प्रयोगकर्ता को इंटरनेट के एक सर्वर पर टाटा स्टोरेज की सुविधा प्रदान की जाती है–

(क) ई-लर्निंग (ख) ई-कॉमर्स

(ग) क्लाउड कंप्यूटिंग (घ) बेवसाइट

21. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए:
1x3=3

(i) 'अंडमान डायरी' किसने लिखी है?

(ii) 'रीढ़ की हड़्डी' एकांकी के लेखक हैं?

(iii) एकांकी किस प्रकार का माध्यम है?

(iv) 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ कौन-सी विधा में लिखी गई है?

22. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर सही/गलत में दीजिए:
1x3=3

(i) अनुच्छेद लेखन में विषय केन्द्रीयता आवश्यक है (सही/गलत)

(ii) रिपोर्ट में घटना का तथ्यपरक वर्णन नहीं होता है। (सही/गलत)

(iii) परिपत्र कार्यालयी पत्राचार का अंग है। (सही/गलत)

(iv) 'बंगाल गजट' अखबार सन् 1870 में निकला। (सही/गलत)

23. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं सात के सर्वाधिक उपयुक्त वाले विकल्प को चुनकर लिखिए।

''हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए,
1x7=7

इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी,
शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।
हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में,
हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए।''

(i) 'हो गई है पीर' में संकेत है-

(क) व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता (ख) शासन की प्रशंसा

(ग) अपने स्वार्थ की पूर्ति (घ) यथास्थिति की अपेक्षा

(ii) मनुष्य की पीड़ा को किसके समान माना गया हैं?

(क) सागर (ख) नदी

(ग) पर्वत (घ) तालाब

(iii) इसमें 'पीड़ा' का अर्थ नहीं है-

(क) अन्याय (ख) शोषण

(ग) समानता (घ) अशिक्षा

(iv) इस गद्यांश की शैली है-

(क) गीत (ख) गज़ल

(ग) प्रगीत (घ) दोहा

(v) इसमें 'दीवारों' से तात्पर्य नहीं है-

(क) भाषा की (ख) अमीरी-गरीबी की

(ग) संगी-साथी की (घ) धर्म की

(vi) 'हिमालय से गंगा निकलने' का तात्पर्य है-

(क) नदी का प्रवाह (ख) ऊँचाई से नीचे की ओर

(ग) तर्क-वितर्क (घ) समाधाान

(vii) 'बुनियाद' का उपयुक्त अर्थ है-

(क) माता-पिता (ख) भाई-बहन

(ग) नींव (घ) निराधार

(viii) 'मकसद' का यहाँ अर्थ है-

(क) उद्देश्य (ख) संकल्प

(ग) विचार (घ) तर्क

(ix) कवि बदलाव का आग्रह कर रहा है-

(क) राजनेताओं से (ख) स्वयं से

(ग) सैनिकों से (घ) देशवासियों से

(x) कवि के अनुसार 'लाश' का अर्थ है-

(क) गरीब लोग (ख) सुविधा संपन्न लोग

(ग) निष्क्रिम लोग (घ) मर चुके लोग

24. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित किन्हीं सात प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए:- 1x7=7

दु:ख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दु:खी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरे के मन का छंदावर्त्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है। जनक की ही भाँति वह घोज़णा करता है कि 'मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरे के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ'-

कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता। मनस्वी मित्र, तुम धन्य हो!

(i) गद्यांश के लेखक हैं-

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ग) दुज़्यंत कुमार (घ) राजेन्द्र यादव

(ii) 'परवश' होने का अर्थ नहीं है-

(क) खुशामद करना (ख) दाँत निपोरना

(ग) चाटुकारिता (घ) स्वाभिमानी

(iii) गद्यांश के पाठ का नाम है-

(क) जिजीविषा की विजय (ख) यक्ष-युधिष्ठिर संवाद

(ग) कुटज (घ) दो कलाकार

(iv) 'मिथ्या' का उपयुक्त अर्थ है-

(क) झूठ (ख) सच

(ग) काल्पनिक (घ) आकाशगामी

(v) इस अंश में जनक की किस विशेज़ता के कारण उदाहरण दिया गया है-

(क) मन को परेशान रखने वाले (ख) मन को जीतने वाले

(ग) मन को परवश रखनेवाले (घ) मन को अपने पर सवार होने देनेवाले।

(vi) 'आडंबर' का सही अर्थ है-

(क) प्रशंसा (ख) दिखावा

(ग) आकर्शक (घ) निकश्ट

(vii) 'मन' के किस पक्ष को उभारा गया है-

(क) सुख और दु:ख मन के विकल्प (ख) हानि और लाभ मन के अनुरूप

(ग) मन को वश में करना असंभव (घ) मन की गति तेज है।

(viii) 'छंदावर्तन' का उपयुक्त अर्थ है

(क) प्रशंसा (ख) आलोचना

(ग) खुशामद (घ) उल्लेख

(ix) 'मिथ्याचार' का उपयुक्त संधि-विच्छेद है-

(क) मिधया + आचार (ख) मिथ्या + चार

(ग) मिथ + आचार (घ) मिथा + आचार

(x) 'परवश' का सही अर्थ है-

(क) अपने वश में (ख) दूसरे के वश में

(ग) समाज के वश में (घ) देश के वश में

25. निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्नों में से किन्हीं 10 के उत्तर लिखिए: 1x10=10

(i) विलोम शब्द लिखिए-

(क) विकास (ख) विदेशी

(ii) उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए–

(क) तीव्रता, सुदृढ़

(iii) नम्नलिखित वाक्य में विराम-चिह्न लगाकर पुन: लिखिए–

हाय डर के मारे मेरे प्राण पखेरू उड़ गए

(iv) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुन: लिखिए–

(क) शुक्रवार को साइकिल रैली का समापन पोरबंदर में हुआ।

(ख) रामू को काट कर फल खिला दो।

(v) निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर संयुक्त वाक्य बनाइए–

(क) एक रात की बात है। (ख) मेरे घर चोर आए।

(ग) बाहर खड़ी साइकिल चुराकर ले गए।

(vi) निम्नलिखित का शुद्ध रूप लिखिए–

(क) श्रीमति (ख) रूपया

(vii) निम्नलिखित को भाववाच्य में बदलिए :

मैं चल नहीं सकता।

(viii) संधि-विच्छेद कीजिए : जन्मोत्सव, स्वाधीन

(ix) विग्रहपूर्वक समास का नाम लिखिए : देशभक्ति और रात-दिन

(x) 'इक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए

(xi) 'गागर में सागर भरना' मुहावरे का अर्थसहित वाक्य में प्रयोग कीजिए। उत्तर बड़ी बात काक थोड़े शब्दों में कहना (उत्तर बड़ी बात को थोड़े शब्दों में कहना)

(xii) 'प्रतिदिन' शब्द में कौन-सा सभास है। उत्तर अव्ययीभाव-समास

(xiii) 'सदैव' शब्द में स्वर संधि का कौन-सा भेद है? उत्तर - वृद्धि संचि

(xiv) 'कोई' शब्द में सर्वनाम का कौन-सा प्रकार है? उत्तर- अनिश्चयवाचक

(xv) 'मेरा घर यहाँ से बहुत दूर है' वाक्य में कौन-सा कारक है? उत्तर- अपादान

26. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

एकै संग धाए नंदलाल और गुलाल दोऊ,
दृगनि गए जु भरि आनंद मढ़ै नहीं।
धोय-धोय हारी, 'पद्माकर' तिहारी सौंह,
अब तौ उपाय एक चित्त मैं चढ़ै नहीं।
कैसी करौं, कहाँ जाऊँ, कासे कहूँ, कौन सुनै,
कोऊ तो निकासो, जासै दरद बढ़ै नहीं।
एरी मेरी बीर! जैसे-तैसे इन आंखिन तैं,
कढ़िगो अबीर, पै अहीर तो कढ़ै नहीं।

अथवा

कम हो रहा है मिलना-जुलना
कम हो रही है लोगों की जान-पहचान
सुख दु:ख में भी पहले की तरह इकट्ठे नहीं होते लोग
तार से आ जाती है बधाई और शोक-सन्देश
बाबा को जानता था सारा शहर
पिता को भी चार मोहल्ले के लोग जानते थे
मुझे नहीं जानता मेरा पड़ोसी मेरे नाम से

अब सिर्फ़ एलबल में रहते हैं
परिवार के लोग एक साथ
टूटने की इस प्रक्रिया में क्या-क्या टूटा है
कोई नहीं सोचता।

27. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए : 3 + 3 = 6

(क) पठित दोहों के आधार पर बिहारी की किन्हीं तीन भाषागत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'संयुक्त परिवार' कविता का मूल संदेश लिखिए।

(ग) ''नक्शे'' कविता में पर्यावरण के प्रति चिंता किस प्रकार व्यक्त हुई है?

28. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 × 5 = 5

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लगे पेड़ शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष! थक गए हो?
आँख लूँ मैं फेर?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार?
यही तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न पाता जान
तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान।

(i) जलजात कहाँ खिलता है और कविता में कहाँ खिल रहा है?

(ii) कविता में 'आँखें फेर लेने' के लिए क्यों कहा गया है?

(iii) 'मृतक में भी डाल देगी जान' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iv) किसी शिशु के मुस्कान का आप पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(v) अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख कीजिए जब किसी दृश्य को देखकर आपमें स्फूर्ति का संचार हो गया।

29. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : 4

हमने तुम्हें वंचित नहीं किया। तुमने अपने आपको वंचित किया है, तुम्हारी थकान ने, तुम्हारी उम्र ने, तुम्हारी चेतना-दुर्बलता ने, तुम्हारी शक्ति-हीनता ने तुम्हें वंचित किया है। हम तो तुम्हें पूज रहे हैं, और तुम देवता होकर पत्थर मारते हो।

अथवा

जो समझता है वह दूसरों का उपकार कर रहा है, वह अबोध है, जो समझा है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं, वह बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका उपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार।

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए : 3 + 3 = 6

(क) 'चीफ की दावत' कहानी में मध्यवर्गीय मानसिकता की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है?

(ख) 'कुटज' पाठ में लेखक 'स्वार्थ के लिए जीना' का खंडन किस प्रकार करता है?

(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में वयोवृद्धों की शारीरिक स्थिति और इच्छाओं को लेकर किस प्रकार व्यंग्य किया गया है?

31. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 × 5 = 5

बड़ा बनने के लिए हमें दिखने में बड़ा काम करने की ज़रूरत नहीं होती, बल्कि प्रत्येक काम में बड़ेपन के चिह्न ढूँढने पड़ते हैं। अपनी जिज्ञासु प्रवृत्ति को बढ़ावा देना होता है। दुनिया में ज्ञान का जो बोलबाला है, उसमें हमारे कौतूहल की केंद्रीय भूमिका है। आइंस्टीन ने एक बार साक्षात्कार देते हुए कहा था कि हमारी जिज्ञासा ही हमारे अस्तित्व का आधार है। जिज्ञासा और उसके समाधान की आदत के बिना हमारा जीवन गति और रस से विहीन होगा। इस प्रक्रिया से गुज़रकर ही दुनिया में अनेक क्षेत्रों में नई-नई चीजें सामने आ रही हैं। जब हम कहते हैं – क्यों? कैसे? क्या? तब हमारे अंदर का स्नायुतंत्र और प्राण तत्व-ऊर्जा और संकल्प एक नई गति और उत्साह के साथ नवीनता की यात्रा करने लगते हैं।

हमें इस दुनिया की इतनी आदत पड़ चुकी है कि लीक से हटकर सोचना नहीं चाहते। न भिन्नता, न नवीनता। यह कैसा जीवन है, जिसमें कोई कौतूहल नहीं, कोई आश्चर्य नहीं! इस जगत में हमारी स्थिति एक कीटाणु या विषाणु की तरह है, जो अपनी सुखमयी व्यवस्था में पड़े हैं। लेकिन जो स्वतंत्र होते हैं, वे हृदय की आवाज़ सुनते हैं, जो बड़ा होना चाहते हैं; वे इस दुनिया की प्रत्येक घटना और वस्तुस्थिति पर अपना आश्चर्य प्रकट करते हैं। लीक से हटकर सोचने और कार्य करने की कोशिश ही बड़ा बनाती है। जिज्ञासु मन और बुद्धि ही दर्शन और विज्ञान की दुनिया बनाते हैं।

(i) गद्यांश में किन दो स्थितियों की तुलना की गई है?

(ii) बड़ा बनने की वास्तविक आधारगत विशेषताएं क्या हैं?

(iii) किसके बिना जीवन गति और इससे विहीन हो जाता है?

(iv) हमें किस तरह की दुनिया की आदत पड़ चुकी है?

(v) अपने जीवन से कोई उदाहरण दीजिए जब लीक से हटकर सोचने पर कोई लाभ हुआ हो।

32. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए : 3 + 3 = 6

(क) मंत्रालय के उपसचिव का एक पत्र मिला है जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति संबंधी क्रियाकलापों की जानकारी माँगी गई है। इसके बारे में जानकारी देते हुए अपने उच्च अधिकारी को एक टिप्पण लिखिए।

(ख) एक कर्मचारी ने अपनी पदोन्नति के लिए आवेदन किया है। उसके आवेदन का उत्तर देने के लिए एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।

33. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए : 3 + 3 = 6

(क) ''सामान्य व्यवहार की हिंदी भी हिंदी का एक प्रयुक्ति क्षेत्र है''– कथन के पक्ष में उदाहरण देते हुए टिप्पणी लिखिए।

(ख) वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में प्रयुक्त की जानेवाली हिंदी की किन्हीं तीन विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

34. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में लिखिए : 4 + 4 = 8

(क) जनसंचार माध्यम आम नागरिकों और सरकार के बीच किस प्रकार सेतु का काम करते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

(ख) 'ई-पेपर' की उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए और एक समाचार लिखकर प्रस्तुत कीजिए।

अंक योजना

हिंदी (301)

प्र. संख्या	प्रत्येक चरण के लिए अपेक्षित अंक योजना	अंकों का वितरण	कुल अंक
1.	(ग)	1	1
2.	(क)	1	1
3.	(i) (क) (ii) (ख)	1	1
4.	(ख)	1	1
5.	(क)	1	1
6.	(ख)	1	1
7.	(i) (क) (ii) (ख)	1	1
8.	(i) (ख) (ii) (घ)	1	1
9.	(घ)	1	1
10.	(क)	1	1
11.	(क)	1	1
12.	(i) (ग) (ii) (ख)	1	1
13.	(ख)	1	1
14.	(i) (क) (ii) (ख)	1	1
15.	(i) (क) (ii) (ग)	1	1
16.	(ग)	1	1
17.	(ख)	1	1
18.	(घ)	1	1
19.	(i) (ख) (ii) (घ)	1	1
20.	(i) (ग) (ii) (क)	1	1
21. (i)	श्रीकांत वर्मा	1	1
21. (ii)	जगदीश चंद्र माथुर	1	1
21. (iii)	दृव्य और दृश्य दोनों	1	1

21. (iv)	संस्करण	1	1
22. (i)	सही	1	1
22. (ii)	गलत	1	1
22. (iii)	सही	1	1
22. (iv)	गलत	1	1
23. (i)	(क)	1	1
23. (ii)	(ग)	1	1
23. (iii)	(ग)	1	1
23. (iv)	(ख)	1	1
23. (v)	(ग)	1	1
23. (vi)	(घ)	1	1
23. (vii)	(ग)	1	1
23. (viii)	(क)	1	1
23. (ix)	(घ)	1	1
23. (x)	(ग)	1	1
24. (i)	(ख)	1	1
24. (ii)	(घ)	1	1
24. (iii)	(ग)	1	1
24. (iv)	(क)	1	1
24. (v)	(ख)	1	1
24. (vi)	(ख)	1	1
24. (vii)	(क)	1	1
24. (viii)	(ख)	1	1
24. (ix)	(क)	1	1
24. (x)	(ख)	1	1
25. (i)	पतन, स्वदेशी	1	1
25. (ii)	ता प्रत्यय, सु उपसर्ग	1	1
25. (iii)	हाय! डर के मारे, मेरे प्राण पखेरू उड़ गए	1	1
25. (iv)	साइकिल रैली का समापन शुक्रवार को पोरबंदर	1	

	में हुआ। फल काटकर रामू को खिला दो।	1	1
25. (v)	एक रात मेरे घर चोर आए और बाहर खड़ी साइकिल चुराकर ले गए	1	1
25. (vi)	श्रीमती, रुपया	1	1
25. (vii)	मुझसे चला नहीं जाता।	1	1
25. (viii)	जन्म + उत्सव, स्व + अधीन	1	1
25. (ix)	देश के लिए भक्ति (तत्पुरुष), रात और दिन (द्वंद्व)	1	1
25. (x)	राजनीतिक, आर्थिक	1	1
25. (xi)	बड़ी बात को थोड़े शब्दों में कहना	1	1
25. (xii)	अव्ययीभाव	1	1
25. (xiii)	वृद्धि संधि	1	1
25. (xiv)	अनिश्चयवाचक	1	1
25. (xv)	अपादान	1	1
प्रश्न संख्या	**मूल्यांकन बिंदु**	**अंक वितरण**	**पूर्णांक**
	संदर्भ : कवि और कविता के नाम	½ + ½	
	व्याख्या	2	
	अभिव्यक्ति	1	4
26	**संदर्भ :** पद्माकर	½	
	कवित्त	½	
	व्याख्या-बिंदुः		
	ı होली या फाग का दृश्य		
	ı कृष्ण और अबीर का आँखों में समाना		
	ı अबीर के बहाने कृष्ण का आँखों से न निकलना		
	ı विवशता का उल्लेख	2	
	अभिव्यक्ति	1	
	अथवा		

	संदर्भ : राजेश जोशी	½	
	संयुक्त परिवार	½	
	व्याख्या-बिंदु:		
	ı बदलता हुआ समय और टूटती सामूहिकता		
	ı परिचय का अभाव		
	ı परिवार के लोगों के बीच दूरी		
	ı मानवीय संबंधों का टूटना		
	ı लोगों को इस टूटन की परवाह नहीं	2	
	अभिव्यक्ति	1	
27.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	3+3	6
	(क) ब्रजभाषा, माधुर्य, अर्थ-चारुत्व, अनुप्रास, यमक, श्लेष अलंकार आदि में से तीन विशेषताओं का उल्लेख	3×1	
	(ख) ı संयुक्त परिवारों का टूटना, एकल परिवारों में बढ़ोतरी		
	ı मानवीय संबंधों का टूटना, परिवार का बिखरना		
	ı पीड़ा के माध्यम से संबंधों और परिवार को बचाने की आवश्यकता की अभिव्यक्ति	3	
	(ग) नक्शे में जंगल, नदी, पर्वत - सबको दिखाया जाता है; पर जंगल में पेड़ नहीं, नदी में पानी नहीं और पहाड़ों पर पत्थर कम हो रहे हैं - कवि ने विस्तृत रूप में चित्रण किया है।	3	
28.	**अपठित वाक्यांश**		5
	(i) तालाब में खिलता है और झोंपड़ी में खिल रहा है।	1	
	(ii) शिशु के थकने की आशंका के कारण।	1	
	(iii) परेशान एवं दुखी होने पर भी स्फूर्ति आ जाती है और व्यक्ति स्वयं को स्वस्थ महसूस करता है।	1	
	(iv) किसी भी उपयुक्त उत्तर पर पूर्ण अंक दिया जाए।	1	
	(v) किसी भी उपयुक्त उत्तर पर पूर्ण अंक दिया जाए।	1	

	गद्यांश की व्याख्या		
	संदर्भ : लेखक और पाठ का नाम	½+½	4
	व्याख्या 2		
	अभिव्यक्ति	1	
29.	**संदर्भ :** हरिशंकर परसाई	½	
	पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ	½	
	व्याख्या-बिंदु :		
	1 दो पीढ़ियों का संघर्ष		
	1 युवा पीढ़ी द्वारा वयोवृद्धों को समझाना		
	1 वयोवृद्धों के वंचित होने के वास्तविक कारण		
	1 वयोवृद्धों द्वारा वर्चस्व को छोड़ न पाना	2	
	अभिव्यक्ति	1	
	अथवा		
	संदर्भ: हजारीप्रसाद द्विवेदी	½	
	कुटज	½	
	व्याख्या-बिंदु :		
	1 अबोध होने और बुद्धिहीन होने के कारण		
	1 उपकार-अपकार करने के भ्रम का निवारण		
	अभिव्यक्ति	1	
30.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	3+3	6
	(क) 1 स्वार्थ की प्रवृत्ति		
	1 हीनता का बोध		
	1 पिछली पीढ़ी की उपेक्षा		
	1 तरक्की का मोह	3	
	(ख) 1 बहुत-से लोग हर बात में स्वार्थ ढूँढते हैं		
	1 मनुष्य केवल स्वार्थी ही रहीं		

	1 मनुष्य की सामाजिकता		
	1 स्वयं को दूसरों के लिए दे देता	3	
	(ग) 1 वयोवृद्धों की शारीरिक स्थिति का चित्रण		
	1 वयोवृद्ध चाहते हैं कि उनका अधिकार और प्रभाव बना रहे		
	1 दोनों स्थितियों के चित्रण से उत्पन्न व्यंग्य	3	
31.	**अपठित गद्यांश**		5
	(i) बड़ा बनने की ओर अग्रसर होने और यथास्थिति में पड़े रहने की।	1	
	(ii) जिज्ञासु होना और जिज्ञासा का समाधान करना।	½+½	
	(iii) जिज्ञासा और उसके समाधान के बिना	½+½	
	(iv) लीक से हटकर न सोचने वाली, भिन्नता एवं नवीनता से विहीन।	1	
	(v) किसी भी उपयुक्त उत्तर पर पूर्ण अंक दिया जाए।	1	
32.	(क) परीक्षार्थी स्वयं करें	3	
	(ख) परीक्षार्थी स्वयं करें	3	6
33.	(क) परीक्षार्थी द्वारा उदाहरण देकर लिखे गए उत्तर पर अंक दिए जाएँ।	3	6
	(ख) वाणिज्य एवं व्यापार के क्षेत्र में प्रयुक्त हिंदी के किन्हीं तीन उदाहरणों पर अंक दिए जाएँ।	3	6
34.	(क) तर्कसंगत उत्तर पर पूर्ण अंक दिए जाएँ।	4	
	(ख) ई-पेपर की दो उपयोगिताएँ तथा परीक्षार्थी समाचार स्वयं लिखें।	4	8